इन्सानो पर मेहरबानी

मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

राहे अमल हिन्दी.

‘नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.’

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

* बुखारी व मुस्लीम, रावी हज़रत अबू बक्कर सिद्दीक रदी. के बेटे हज़रत अब्दुर्रहमान रदी.

सुफ्फा वाले गरीब लोग थे. एक बार रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया जिस के घर दो आदमियो का खाना हे तो वो यहा से तीसरे को ले जाए और जिस के पास चार आदमियो का खाना हो तो एक या दो आदमी ले जाए. चुनाचे मेरे वालिद अबू बक्कर रदी अपने घर तीन आदमियो को लाए और आपﷺ अपने घर 10 आदमियो को ले गए. आपﷺ लोगो के काइद और पेशवा थे वो अगर दस आदमियो को अपने यहा ना ले जाते तो आम लोग दो, चार, छे, और आठ को खुशी-खुशी कैसे ले जाते, कायदा ये हे कि ज़िम्मेदार लोग अगर ईसार व कुर्बानी करेंगे तो उन्के पीछे चलने वालो में ज़्यादा से ज़्यादा कुर्बानी व ईसार

का जज़्बा उभरेगा और आगे चलने वाले ही पीछे रहे तो पीछे चलने वालो में और पीछे जाने की जेहनियत उभरेगी.

* मुस्लीम, रावी हज़रत अनस रदी.

इस्लाम से करीब करने की गर्ज़ से रसूलुल्लाहﷺ लोगो को देते थे, आपﷺ से जो कुछ भी मांगा गया, आपﷺ ने मांगने वाले को वो चीज़ ज़रूर दी. एक बार एक आदमी आप के पास आया तो आपने उस्को दो पहाडो के बीच चरने वाली सब बकरियां दे दी, तो वो अपने कबीला वालो के पास पोहचा और कहा, ऐ लोगो! इस्लाम लाओ इसलिए कि हज़रत मुहम्मदﷺ इस तरह देते हे जैसे वो शख्स जो फक्र व फाका से नही डरता. हज़रत अनस रदी कहते हे कि आदमी सिर्फ दुनिया की गर्ज़ से ईमान लाता लेकिन ज़्यादा मुद्दत ना गुज़रती कि इस्लाम उस्की रूह में नबी की तालीम व तरबियत से उतर जाता, और दुनिया और दुनिया के सामान से इस्लाम की निगाह में ज़्यादा महबूब हो जाता.